पहला कॉलम

आईटी सेक्टर में छंटनी की खबर ने बिल्डरों पर बढ़ाया दबाव

« मुंबई। देश में बड़ी संख्या में रोजगार देने वाले इन्फ़र्मेशन टेक्नॉलजी सेक्टर में छंटनी की आशंका से देश के उन शहरों में रियल एस्टेट कंपनियों की चिंता बढ़ गई है जिन्हें आईटी हब कहा जाता है। रेजिडेंशल प्रॉपर्टी की सेल्स में हाल के समय में तेजी आई है, लेकिन अगर आईटी कंपनियों में छंटनी का दौर चलता है तो बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, चेन्नै और गुड़गांव सहित कई बड़े शहरों में प्रॉपर्टी मार्केट में मंदी आ सकती है। नाइट फ्रैंक इंडिया के चीफ इकनॉमिस्ट और नैशनल डायरेक्टर सामंतक दास ने कहा, रेजिडेंशल प्रॉपर्टी मार्केट काफी हद तक सेंटीमेंट से चलता है। इसके लिए स्थिर नौकरी और आमदनी महत्वपूर्ण कारण हैं।

जून अंत तक 54 डॉलर पहुंच सकता है कच्चा तेल

« नई दिल्ली। अगले हफ्ते होने वाली ओपेक देशों की बैठक पर मार्केट की नजर है। इस बैठक में क्रूड प्रोड्यूसर प्रोडक्शन में कटौती की समय सीमा बढ़ाने पर विचार करेंगे। एक्सपर्ट्स मान रहे हैं कि बैठक में समय सीमा बढ़ सकती है। अगर ऐसा होता है तो क्रूड की कीमतों में बढ़त देखने को मिलेगा। हालांकि प्रोडक्शन पर कोई फैसला न होने पर क्रूड में तेज गिरावट संभव है। कच्चा तेल कीमतों की दिशा 25 मई को होने वाली तेल उत्पादक देशों की बैठक से तय होगी। माना जा रहा है कि ओपेक देश बैठक में प्रोडक्शन कट की समय सीमा बढ़ा सकते हैं। सोमवार को ही रूस और सऊदी अरब ने ऐलान किया कि वो तेल प्रोडक्शन में कटौती की समय सीमा मार्च 2018 तक बढ़ाने के प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

पेटीएम ने सॉफ्टबैंक से जुटाए 140 करोड़ डॉलर

« नई दिल्ली। वन97 कंम्यूनिकेशन्स के स्वामित्व वाली कंपनी पेटीएम ने बताया कि उसने सॉफ्टबैंक समूह से 1.4 बिलियन डॉलर (करीब 140 करोड़ डॉलर) जुटाए है। कंपनी का कहना है कि इस राशि का इस्तेमाल यूजर बेस बढ़ाने और फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स बनाने में किया जाएगा। साथ ही सॉफ्टबैंक को बोर्ड में सीट भी दी जाएगी। यह किसी अकेले निवेशक की ओर से फंडिंग राउंड में जुटाई गई सबसे बड़ी निवेश राशि है। सॉफ्टबैंक ने अपने भारतीय पोर्टफोलियो में अबतक ज्यादा सफल निवेश नहीं देखें हैं, लेकिन अब वह पेटीएम के पेमेंट बिजनेस को अलीपे से बदलना चाहता है। आपको बता दें कि अलीपे अलीबाबा समूह का वित्तीय बिजनेस है, जो चीन में काफी सफल है।

प्रिंट मीडिया में एफडीआइ की सीमा में ढील देने पर विचार

« नई दिल्ली। केंद्र सरकार प्रिंट मीडिया, कंस्ट्रक्शन और रिटेल सेक्टर के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) के नियमों में ढील देने की तैयारी कर रही है। इससे इन क्षेत्रों में विदेशी निवेश को बढ़ावा मिल सकेगा। वित्त मंत्रालय में बुधवार को इस पर विचार-विमर्श किया गया। सूत्रों की मानें तो वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय जल्द ही प्रस्तावों पर अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट में जा सकता है। वर्तमान में सरकार समाचार पत्र प्रकाशन और वैज्ञानिक पत्रिकाओं के प्रकाशन समेत विशेष क्षेत्रों में कुछ शर्तों के साथ विदेशी निवेश की मंजूरी दे रही है।

असर} 2017 के आखिर तक भारत में व्हीकल्स बेचना बंद कर देगी जनरल मोटर्स

जनरल मोटर्स भारत में कार बेचना बंद करेगी, सिर्फ एक्सपोर्ट पर होगा फोकस

« नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका की बड़ी कार कंपनी जनरल मोटर्स ने कहा है कि वह 2017 के आखिर तक भारत में व्हीकल्स बेचना बंद कर देगी। कंपनी ने कहा है कि वह भारत से केवल कारों के एक्सपोर्ट पर फोकस करेगी। इससे पहले अप्रैल में जनरल मोटर्स ने गुजरात में अपने हलोल प्लांट में प्रोडक्शन रोक दिया था। कंपनी ने भारत में अपने मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशंस के इंटीग्रेशन की कोशिशों के तहत अपने इस पहले प्लांट में प्रोडक्शन बंद किया। जनरल मोटर्स इंडिया ने एक बयान में बताया है कि भारत में वह अपना पूरा मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन अब महाराष्ट्र के तालेगांव स्थित दूसरे प्लांट से करेगी।

कंपनी ने अपनी परफॉर्मेंस का रिव्यू किया...

जनरल मोटर्स इंडिया ने कहा है कि यह फैसला कंपनी के दुनिया भर में मौजूद परफॉर्मेंस का रिव्यू करने के बाद लिया गया है। कंपनी चार इंटरनेशनल मार्केट से भी बाहर निकल रही है। इसमें रूस, यूरोप और साउथ अफ्रीका शामिल हैं। जीएम एक्जीक्युटिव वाइस प्रेसिडेंट और जीएम इंटरनेशनल के प्रेसिडेंट स्टीफन जैकब ने कहा कि भारत में कंपनी ने जो इन्वेस्टमेंट प्लान किया था, उस हिसाब से रिटर्न नहीं मिल मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस इन्वेस्टमेंट से हमें अपनी लीडरशिप पोजीशन को हासिल करने और डोमेस्टिक मार्केट में लॉन्ग टर्म में प्रॉफिट हासिल करने में मदद भी नहीं मिल रही है।

भारत में 1 अरब डॉलर का इन्वेस्टमेंट रद्द करेगी कंपनी

जीएम ने गुरुवार को कहा कि भारत, अफ्रीका और सिंगापुर में मौजूद ऑपरेशंस का रीस्ट्रक्चर करने पर दूसरे क्वार्टर में 50 करोड़ डॉलर (करीब 3200 करोड़ रुपए) का खर्च होगा। वहीं, कंपनी भारत में नई लो-कॉस्ट व्हीकल्स मैन्युफैक्चरिंग लाइन पर किए जाने वाले 1 अरब डॉलर (करीब 6400 करोड़ रुपए) के इन्वेस्टमेंट को भी रद्द करेगी। कंपनी ने कहा कि 20 करोड़ डॉलर (करीब 1280 करोड़ रुपए) का नगद खर्च होगा। इस कदम से कंपनी 10 करोड़ डॉलर प्रति वर्ष (करीब 640 करोड़ रुपए) बचाने की उम्मीद कर रही है। बीते साल कंपनी को करीब 80 करोड़ डॉलर (5120 करोड़ रुपए) का नुकसान हुआ था।

भारत में फेल हो गई जीएम

जीएम ने 2015 में कहा था कि वह 2020 तक भारत में अपने मार्केट शेयर को डबल कर करीब 3त्न या उससे ज्यादा करना चाहती है। वहीं, कंपनी का मार्केट शेयर 31 मार्च को खत्म फाइनेंशियल ईयर में गिरकर 1त्न से कम हो गया, जो कि पहले 1.17त्न था। यह गिरावट उस वक्त आई है, जब भारत का कार मार्केट 9प्रतिशत बढ़कर 30 लाख व्हीकल्स के लेवल से ज्यादा हो गया। 2016-17 में भारत में जीएम की सेल्स करीब 21 प्रतिशत घटकर 25,823 यूनिट्स रही। वहीं, कंपनी का एक्सपोर्ट 16प्रतिशत बढ़कर 83,368 यूनिट्स हो गया।

भारत में जीएम की कारें

भारत में जनरल मोटर्स इंडिया शेवरले ब्रांड के तहत अपनी कारों को बेच रही है। इन कारों में सबसे पॉपुलर कार बीट है।

चावल कंपनियों के चमके शेयर, बढ़े भाव

« नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय चावल के विदेशी कद्रदान बढने से चावल के भाव भी बढ़ गए। घरेलू और वैश्विक बाजार में चावल के दाम बढने से शेयर बाजार में चावल कंपनियों के शेयरों में भी चमक बढ़ गई। इस साल जनवरी से अभी तक चावल करीब 20 फीसदी महंगा हुआ तो कंपनियों के शेयर लगभग तीन गुना मजबूत हुए हैं। मजबूत निर्यात मांग और बेहतर मॉनसून की खबर से चावल कंपनियों के शेयरों में अभी और निखार आने की संभावना जताई जा रही है।

इन चावल कंपनियों के शेयर झूमे

निर्यात मांग में तेजी बरकरार रहने की खबर से आज शेयर बाजार में चावल कंपनियों के शेयर झूमने लगे। बी.एस.ई. में एक ही दिन में एल.टी. फूड्स के शेयर 15.90 फीसदी चढ़ गए। कंपनी के प्रति शेयर की कीमत बढ़कर 75.80 रुपए हो गई। एक दिन पहले एलटी फूड्स के शेयर की कीमत 65.40 रुपए थी और साल शुरू होने के पहले यानी 26 दिसंबर 2016 को कंपनी के शेयर की कीमत 26.10 रुपए थी। कोहिनूर फूड्स का शेयर एक दिन में 9.93 फीसदी और इस साल 41.53 फीसदी बढ़कर 86.90 रुपए हो गया। चमनलाल सेतिया एक्सपोर्ट कंपनी के शेयर में भी एक दिन में 7.60 फीसदी और इस साल अभी तक 44.85 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है। 26 दिसंबर 2016 को 75.25 रुपए मूल्य वाले शेयर की कीमत बढ़कर 109 रुपए हो गई। चावल कंपनी के.आर.बी.एल. के शेयर का मूल्य भी 6.75 फीसदी चढ़कर 411.25 रुपए पर पहुंच गया जबकि जनवरी के पहले इसके एक शेयर का मूल्य 275.30 रुपए था यानी इस साल कंपनी के शेयरों के मूल्य में 59.46 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है।

बासमती चावल की मांग बढ़ी

सबसे ज्यादा बासमती चावल की मांग बढ़ी। मांग बढ़ने के कारण कीमतों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। ईरान को निर्यात होने वाले बासमती चावल के लिए 1,150-1,200 डॉलर प्रति टन की बोली लगी । केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किये गए आंकड़ों के मुताबिक भारतीय चावल की निर्यात मांग में भारी तेजी दर्ज की गई है। वैश्विक बाजार में अच्छे भाव मिलने के कारण निर्यात मूल्य में बढ़ोतरी दर्ज की गई। अप्रैल के दौरान देश में कुल 56.76 करोड़ डॉलर मूल्य का चावल निर्यात किया गया।

घरेलू उड़ान वाले यात्रियों से दो घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचने को कहा

« नई दिल्ली। एजेंसी

दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों के एयरपोर्ट्स पर कमजोर इन्फ्रास्ट्रक्चर के चलते इस बार आपकी गर्मियों की छुट्टियों की यात्रा का मजा थोड़ा किरकिरा हो सकता है। एयरलाइंस ने एयरपोर्ट्स पर, विशेष तौर पर सिक्यॉरिटी चेक के दौरान, भीड़ को लेकर यात्रियों को चेताना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही वे यात्रियों को जल्द चेक इन करने की सलाह दे रही हैं। टाटा-सिंगापुर एयरलाइंस के संयुक्त उपक्रम विस्तारा एरयलाइंस ने एक अडवाइजरी जारी कर अपने यात्रियों से कहा है कि वे फ्लाइट के उड़ान भरने से दो घंटे पहले चेक-इन के लिए रिपोर्ट करें। कंपनी ने कहा कि मौजूदा समय में यात्रियों की भारी संख्या के चलते एयरपोर्ट सिक्यॉरिटी पर भीड़ हो जाती है इसलिए यात्रियों को सलाह है कि वे किसी भी परेशानी से बचने के लिए फ्लाइट के उड़ान भरने से 120 मिनट पहले चेक-इन के लिए पहुंच जाएं। विस्तारा एयरलाइंस के एक अधिकारी ने कहा कि यह सलाह मेट्रो एयरपोर्ट्स के लिए है जहां पर भीड़ परेशानी का कारण है। बता दें कि स्कूलों की छुट्टी होने के कारण मई में भारत में यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। बीते वर्ष मई में देश के भीतर ही उड़ान भरने वाले यात्रियों की संख्या 86.7 लाख थी जो कि इस साल एक करोड़ से पहुंचने की संभावना है। अभी तक एक माह में देश के भीतर उड़ान भरने वाले यात्रियों की सर्वाधिक संख्या जनवरी 2017 में दर्ज की गई थी, जब 95.8 लाख यात्रियों ने विमान यात्रा की थी।

तेज रफ्तार विकास की दिशा में बड़ा कदम

साइबर हमले से सरकार अलर्ट, हर विभाग में होंगे सूचना सुरक्षा अधिकारी

« नई दिल्ली। एजेंसी

रैनसमवेयर से 150 देशों में हुए साइबर अटैक के बाद मोदी सरकार अलर्ट हो गई है। सरकार के जरूरी डाटा हैक न हों, इसके लिए अब वह नया सिस्टम डेवलप करने जा रही है। इसके तहत केंद्र सरकार की हर मिनिस्ट्री, डिपार्टमेंट और ऑर्गनाइजेशन में इन्फॉर्मेशन सिक्युरिटी ऑफीसर अप्वाइंट किए जाएंगे, जिनके उपर साइबर सिक्युरिटी की पूरी जिम्मेदारी होगी। अफसर सीईआरटी के सपोर्ट से डेवलप करेगा इन्फॉर्मेशन सिक्युरिटी मैनेजमेंट...

सोर्सेज से मिली जानकारी के मुताबिक मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की तरफ से इस संबंध में सभी डिपार्टमेंट, मिनिस्ट्री, ऑर्गनाइजेशन को कहा गया है कि वह अपने यहां चीफ इन्फॉर्मेशन सिक्युरिटी ऑफीसर अप्वाइंट करें। यह अफसर नए चैलेंज को देखते हुए पूरा इन्फॉर्मेशन सिक्युरिटी मैनेजमेंट सीईआरटी के सपोर्ट से डेवलप करेगा।

सरकार को किस बात का है डर?

सोर्सेज के मुताबिक जिस तरह से सरकार के हर डिपार्टमेंट में डिजिटलाइजेशन बढ़ा है। उसे देखते हुए सरकार अपने पास रखे हर डाटा को सिक्योर करना चाहती है। जिससे किसी भी तरह के साइबर अटैक से बचा जा सके। इसके लिए चीफ इन्फॉर्मेशन सिक्युरिटी ऑफीसर को इन्फॉर्मेशन सिक्युरिटी पॉलिसी से लेकर डाटा गवर्नेंस तक की पॉलिसी डेवलप करने का अधिकार होगा।

प्रतिदिन होगी निगरानी

नए सिस्टम में पूरे डाटा सिस्टम की निगरानी की जिम्मेदारी सिक्युरिटी ऑफीसर की होगी। वह डिपार्टमेंट, ऑर्गनाइजेशन से लेकर मिनिस्ट्री की वेबसाइट, आईटी सिस्टम का कम से कम हर तीन महीने में रिव्यू करेगा। साथ ही किसी इमरजेंसी की स्थिति में क्विक रिस्पॉन्स सिस्टम डेवलप करने जैसे कदम उठाएगा।

सरकार को क्यों लग रहा है बड़ा खतरा?

हाल ही में रैनसमवेयर ने दुनिया के 100 देशों के 2 लाख से ज्यादा सिस्टम को हैक कर लिया था। जिसका सबसे ज्यादा असर ब्रिटेन और रूस जैसे देशों पर हुआ। इसकी वजह से इन देशों में हॉस्पिटल ऑपरेशन से लेकर बैंकिंग सिस्टम तक बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

नई कोल लिंकेज पॉलिसी से सस्ती बिजली की उम्मीद

» नई दिल्ली। पिछली यूपीए सरकार की अतार्किक कोयला नीति की वजह से अधर में फंसे दर्जनों ताप बिजली घरों में फिर से काम शुरू होने की उम्मीद बलवती हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में 'शक्ति' नाम से एक नई कोल लिंकेज पॉलिसी को मंजूरी दी गई है जो नए ताप बिजली घरों को जहां आसानी से निविदा के जरिये कोयला ब्लॉक उपलब्ध कराएगा वहीं पुराने व अटके बिजली घरों को भी कोयला ब्लॉक उपलब्ध हो सकेगा। इससे कम से कम 30 हजार मेगावाट क्षमता के कोयला आधारित बिजली घरों में उत्पादन शुरू हो सकेगा।

जियो ने प्रमोशनल ऑफर दिया तो मार्केट में मच जाएगी खलबली : वोडाफोन

« नई दिल्ली। वोडाफोन का कहना है कि रिलायंस जियो इंफोकॉम के 1 अप्रैल से अपनी सेवाओं की कीमत वसूलने की शुरुआत करने के साथ भारतीय टेलिकॉम मार्केट के स्टेबल होने के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। हालांकि उसका यह भी कहना है कि इंडस्ट्री की हालत नाजुक है। वोडाफोन ने कहा कि अगर जियो एक और प्रमोशनल ऑफर देता है तो इंडस्ट्री में फिर से खलबली मच सकती है। वोडाफोन ग्रुप के चीफ फाइनैंशल ऑफिसर निक री ऐड ने सालाना नतीजों के ऐलान के बाद एक एनालिस्ट कॉल में यह बात कही। उन्होंने कहा, कि मुझे लगता है कि टेलिकॉम मार्केट को अभी बॉटम आउट बताना जल्दबाजी होगी। मार्केट की हालत नाजुक है। हालांकि, हमें आगे चलकर मार्केट के स्टेबल होने की उम्मीद है। हालांकि, सब कुछ इस पर निर्भर करता है कि जियो क्या करता है।

प्रयोग | कंपनी के सीईओ सुंदर पिचाई ने गूगल 2017 डेवलपर्स कॉन्फ्रें स में इसकी घोषणा कर दी

गूगल अपने हर उत्पाद में आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करेगा : पिचाई...

« नई दिल्ली। एजेंसी

गूगल ने आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल की दिशा में कदम बढा दिया है। मोबाइल फर्स्ट की पॉलिसी को शुरू करने वाली इस कंपनी ने अब एआई फर्स्ट की ओर रुख कर लिया है। कंपनी के सीईओ सुंदर पिचाई ने गूगल 2017 डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा कर दी है।

हर प्रोडक्ट को नए सिरे से देखा जा रहा है

पिचाई ने कहा, 'एआई फर्स्ट वर्ल्ड में हम अपने सभी प्रोडक्ट पर दोबारा विचार कर रहे हैं।' उन्होंने बताया कि कंपनी मशीन लर्निंग (रू), डीप लर्निंग (छरु) और कंप्यूटर वीजन का इस्तेमाल कर रही है। इनका इस्तेमाल डाटा रिसर्च, मेडिकल इमेजिंग, क्लाउड, गूगल असिस्टेंस, गूगल होम्स सहित सभी प्रोडक्ट्स में किया जा रहा है। इन सभी नए प्रयोगों को एक छत के नीचे लाया जा रहा है जिसे त्रश्रश्द्द्यद्ग.ड्डद्ब का नाम दिया गया है। पिचाई ने आगे कहा, मोबाइल मल्टी टच को लेकर आया। अब हमारे पास वॉयस और विजन है। कंप्यूटर अब पहले के मुकाबले बेहतर हो रहे हैं और वह आवाज को समझ ले रहे हैं। इसी से विजन के मामले में भी कंप्यूटर की क्षमता में सुधार आया है। इसलिए आज हम गूगल लेंस्ट की घोषणा कर रहे हैं, जिसे गूगल असिस्टेंस में सबसे पहले शामिल किया जाएगा।

टेंसर प्रोसेसर यूनिट भी लॉन्च

गूगल एआई फर्स्ट स्ट्रैटजी के हिस्से के तौर पर पिचाई ने सेकंड जनरेशन की टेंसर प्रोसेसर यूनिट (ञ्जक्क) की भी घोषणा की। यह क्लाउड कंप्यूटिग पर आधारित हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर सिस्टम है जो गूगल की एआई फर्स्ट डाटा सेंटर के प्लान का हिस्सा है। टीपीयू को पिछले साल सबसे सामने लाया गया था। ये वो चिप हैं, जिन्हें मशीनों को सिखाने के लिए बनाया गया है। उन्होंने बताया कि गूगल ट्रांसलेट और गूगल फोटो जैसे प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने के लिए मशीन लर्निंग मॉडल में टीपीयू का इस्तेमाल किया जा रहा है।